

सातुर्गमय ॥ संदेहद्वयमेवा ॥ ७ ॥ संदेहयानाम ॥ धर्मसमो निर्णयनि
 श्वयो ॥ १ ॥ ~~निर्णययानाम~~ ॥ निश्चयादृष्टिनास्तिकती ॥ २ ॥ ~~धर्मसमो~~
~~सहायारवसदुनविक्रमवाम~~ ॥ ॥ व्यापादोदोहर्वितनः ॥ ~~नेवयवेदे~~
~~विनमममयापदधाधायः~~ ॥ समोसिद्धात्तराज्ञतो ॥ ~~सिद्धात्तराज्ञतो~~ ॥ ॥ श्री
 तिमिथ्यामतिभ्रम ॥ ३ ॥ ~~आतिवितयानाम~~ ॥ सर्वविद्यगुपतिज्ञाननियमाश्र
 वसंश्रवा ॥ अंगीकारात्पुपगानप्रतिश्रवसमाधयः ॥ ~~अनेश्रगीकारान~~ ॥
 ॥ मोक्षेधिर्ज्ञानः ॥ ~~मोक्षेधोनेयुनिबुद्धि~~ ~~मोक्षेधोनेयुनिबुद्धि~~ ॥ मननद्वि

ज्ञानं शिल्पशास्त्रयोः॥ शिल्पधायर्ज्ययवो यथादिनः शास्त्रतर्कशास्त्रिनः॥
 एलिगोहयावुदिततमोधातविज्ञानधायः॥ मुक्तिर्देवत्वनिर्वाणश्रे-
 योनिः श्रेयसासृजः॥ मोक्षोयवर्जोधातः॥ ~~ध्वतेमोक्षधायः॥~~ ॥था
 ज्ञानमोहविद्यायहमति॥४॥ ~~ध्वतेमज्ञानधायः॥~~ ॥रूपशब्दो
 र्गधारसंस्पर्शश्चविषयाः॥ रूपं १ सौर्यशब्दोऽनेरससवारस्पर्शसौम्यग-
 धानतुनेश्चविषयाः॥ अमी॥ ~~ध्वतेविषयधायः॥~~ ॥गोचरादन्दीयाथाश्च
 ॥२॥ ~~ध्वतेविषयइन्द्रियाश्चविषयाः॥~~ ॥हृषिकविषयइन्द्र-

राम

॥२२॥

~~यनधायः॥~~ लक्षणद्वयधालसामर्गधायः सविप्रतिमर्जधायः सृष्टिन-
 सृष्टिवशावलिवास्वः॥ मनुयामदभूतिपद्मतदीवशास्त्रिनख्याययाडाथ
 ते॥ पूर्वधकल्पनाकथाः॥ निडवधनविज्ञाखकथाधायः॥ ॥प्रवहिकाः
 पुहेलीका॥ लेलेसाश्रदिनहिलेयोपायानाम॥ ॥स्मृतिस्तद्धर्मसंहि-
 ता॥ मनुशास्त्रिनधर्मस्वसूत्रयातस्मृतिधायः॥ ॥समाहतिमुग्रह॥ नानो-
 सास्त्रसमूहग्रथयानाम॥ समन्यातुसमार्था॥ नेवनदयकासगाकश्रोतक-
 णयासमन्याधायः॥ १०॥ किवदतिजनेश्रुति॥ समर्त्तस्यामडगभिडः॥ कडाख-
 यानाम॥ ॥वार्तापट्टतिज्ञानतउदतस्या॥४॥ लोकवातयानाम॥ तथा

हय॥ आस्थाके अविधाने वनामधेयं वनामव॥ ६॥ अते नामयानाम॥
॥ इति राकारनाहानं ॥ १॥ बोडनयानाम॥ सङ्गतिघट्ट निद्रुता॥ तल्लनः
 बोडनसङ्गतिधाय॥ ॥ विवादेवघहास्या॥ १॥ विवाधारवजुवयानाम॥
 ॥ हपन्यामस्तुखी॥ ॥ खनलनहुवकानावचयानाम॥ ॥ उपोद्यातउ
 दोहार॥ १॥ तौमियानाम॥ ॥ शयने शयधपुनान॥ १॥ पाकेयानाम
 ॥ ॥ पश्मोनुयोगपृच्छाव॥ खड्डुयानाम॥ ॥ पुतिवाक्कोतरोमनी॥ उ
 उन्नागवियानाम॥ ॥ मिथ्याभियोगभ्याखान॥ १॥ सलद्धिपकायडु
धककसखनल्ल्यायाखयानाम॥ ॥ मधमिथ्याभिशीसनं अनिशाय

राम
 ॥ २६ ॥

अभिशापधायकमनदूषनविषयानाम॥ पुशादस्तुसवत्पादनुगग्रज
 लोकओयितिनहेहजायपुखयातप्रणाधाय॥ ॥ यशकीर्तिः समजाव
 ॥ अतेयमयानाम॥ ॥ लवलोननुतिलुति॥ ४॥ अतेलोत्रयानाम॥ ॥
 आमुडितेदिल्लिरुक्तं॥ निपोलस्वपोलल्लानाखयातआमुडितधा
 य॥ ॥ मुवेदुयंतुघोषणा॥ तओसलनल्लानाघघोषधाय॥ ॥ काकु
 म्पियीविकारोयशोकभित्तादिभिधने॥ शोकभयअदिनल्लानाख
 काकुधाय॥ अर्वणाक्षेपनीर्वाद्यरिवादायवादवता॥ ४॥ अतेवल्लि
वनयानाम॥ उपक्रोशायुगसावकुत्सानिन्दावगर्हणे॥ ५॥ अतेनि

४

五

॥२७॥

रिवाधाया॥ देवी हस्ताभिके काया॥ प्याखन सराजाया कलात यात देवी
॥ ॥ मितरा सुत भूदिनी॥ प्याखन सल वृत्ति नीकलात यात भूदिनी धाय
अवुहणपे मेवधो को॥ प्याखन ससाय वमने ओगुलिं उ सकि अवुह
स्यधाय॥ राजः स्याल स्तरा छिया॥ राजाया प्याखन मोती यात राछिया
दोधाय॥ ॥ आम्बा माता॥ प्याखन सराजाया मान यात अम्बाधाय॥
थवाल स्यादासू॥ प्याखन सवाल कयात वासूधाय॥ ॥ गुर्य ल्हा मारिय
॥ प्याखन थकाति वतूर जयात मारिय धाय॥ ॥ श्री तिका भगिनी जेः
था॥ प्याखन सतात ल केहे यात अति तिका धाय॥ ॥ निष्ठा निर्बहने

रवा

समे॥ आखनगमिसकेहेयातनिष्ठा॥ नईन जाय प्या खनया अईधुनया ना
नामखव॥ हरोहं जहलाहाननीसनेतिसधोपति॥ नीचसमेखीसलो
गालहरे॥ धाय॥ जे॥ हिसखीसलतयातहजेधाय॥ सखीसलसखीसलते
यातहलाधायप्याखनस॥ ॥ अगहरीडि विक्षेपे॥ प्याखनमुयनिश्च
खनमेला॥ सखीसलसलतयातहजेधाय॥ अइहाराधाय
॥ ॥ व्यजकीभीनयोसमे॥ २॥ मनसवीडगुलिभावेवैरुविहोववयानने
नेयातव्यजनधायअतिनधाय॥ ॥ निवृतेत्वंगसत्वाभीदेत्रिधागि
कमा॥ तिक॥ सनजायेनपुयातआडि॥ धाय॥ स्वरपाणमननजायपुचे

राम

॥३२॥

यातसात्विकधाय॥ चतेप्याखनसभाखायातअधिकारसधाय॥ ॥ अ
झारवीरकहराद्रुतहासेभयानका॥ विधानमरीदेवरसा॥ ८॥ चतेअझार
आरिनवागुलरसपानामसातिरमयागली॥ अझारः भुविरज्वर॥ ३॥ सम
समुद्यगधियाज्ज॥ स्वरपाणतचिचिनखीधुहययाकिडाइथाययात
भुंगारसधाय॥ ॥ अझारभुविरज्वर॥ आनननवाधनपुयातविरसध
या॥ ॥ कोहरापकहराद्रुता॥ हयादयानुर्कयासादनुर्कशोष॥ ७॥ याप
पुण्डुस्वमुसनअवस्थासिया॥ अनुगतसविवेकनदयाका॥ गुलक
हरासधाय॥ ॥ धोहस॥ हामोहास्यव॥ ३॥ क्रियानखयकावहितका

राम

113311

य॥ नुभावो भावदो धर्म॥ स्व ओ मधुलिमाल ममल ममन भाषायात अनुभा
व धाय॥ ॥ गवो भिमानी हं कोरो॥ ३॥ ॥ अते अहंकार या नाम॥ ॥ माने वि
ने स मुक्ति॥ ॥ अने धे ॥ ॥ अने मधु ममन भाषायात मान धाय॥ ॥ अना
रेटे परिबसे परि भाव स्तिर धिया॥ ॥ शिडाव माने नाव शा अवहेल ममुह
रणी॥ ॥ ॥ अने धे ॥ ॥ अने नादर या नाम॥ ॥ मन्दाई हलया विडाल ज्जा॥
॥ ॥ अने लज्जा या नाम॥ ॥ सापत्र पा मयत॥ ॥ मेव या ये न जायन पुल ज्जा
यात ममन धाय॥ ॥ क्षान्तिलि तिथा॥ ॥ ॥ अने लज्जा या नाम॥ ॥ मि
ध्यातु यारले विषये स्मृता॥ ॥ अने विडल मनेव या जिव धक काय भात या

यातः कश्चिद्विधायाः ॥ अष्टातिरिष्या ॥ १ ॥ मेवतवधश्चबोऽसहयाय
 मयुः यातदृष्टायाय ॥ सुयातुदोषारोपोगुरोः कापेः ॥ मेवयाभिऽगु
 मजानमसुखविद्यायातः असूयायाय ॥ वैरं विरोधोविद्वेषो ॥ ३ ॥
 अतैर्विरोधयानामः ॥ मन्युशोकोतुश्चुक्लित्वा ॥ ४ ॥ आतेरोक्या
 कामः ॥ पश्यतापीतुतायोश्चविपुतीसालेन्यपि ॥ अतैवसंपताचो
 वेनामः ॥ कोपक्रोधांमर्षरोषप्रतिशद्वद्वोक्लित्यो ॥ अतैवमयातान
 ॥ शुचौतुचरितेशील ॥ लोकराशास्त्रसंलोचकवेहलप्राप्तशीलधा
 यः ॥ मन्मातचित्रविभ्रमः ॥ नुगलतोलकडं नुडगमूलुकादयः

राम
 ॥ ३४ ॥